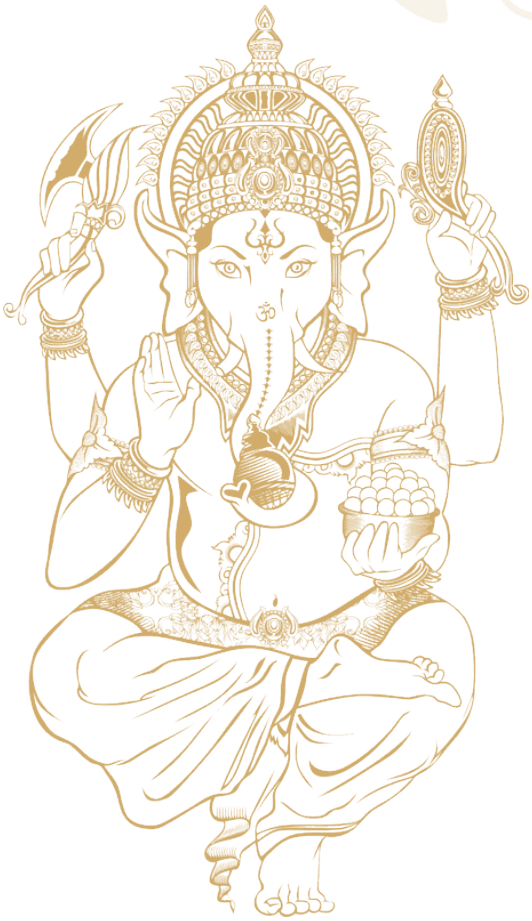

Parikshit

Anuradha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120773701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120773701 Date: 31/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/05/1988	जन्म तिथि	12-13/10/1991
शुक्रवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 23:55:00	जन्म समय	03:45:00 घंटे
घटी 46:07:30	जन्म समय(घटी)	53:34:00 घटी
India	देश	India
Saharanpur	स्थान	Saharanpur
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:00	सूर्योदय	06:19:24
19:04:04	सूर्यास्त	17:53:09
23:41:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:48

मकर	लग्न	सिंह
शनि	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मेष	राशि	वृश्चिक
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
अश्विनी	नक्षत्र	ज्येष्ठा
केतु	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	3
आयुष्मान	योग	सौभाग्य
वणिज	करण	बालव
चू-चूड़ामणि	जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	कीटक
अश्व	योनि	मृग
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 1मा 17दि		07:33:41	मक		लग्न		सिंह	20:50:12	बुध 6वर्ष 7मा 14दि	
चन्द्र		29:29:51	मेष		सूर्य		कन्या	25:20:30	सूर्य	
30/06/2020		01:39:24	मेष		चंद्र		वृश्चि	24:48:22	27/05/2025	
01/07/2030		00:47:18	कुंभ		मंगल		तुला	03:38:42	28/05/2031	
चन्द्र	30/04/2021	20:36:34	वृष		बुध		तुला	01:55:56	सूर्य	14/09/2025
मंगल	29/11/2021	21:33:25	मेष		गुरु		सिंह	12:25:11	चन्द्र	15/03/2026
राहु	31/05/2023	05:19:41	मिथु		शुक्र		सिंह	10:41:08	मंगल	21/07/2026
गुरु	29/09/2024	08:01:11	धनु	व	शनि		मक	06:29:51	राहु	15/06/2027
शनि	01/05/2026	27:37:57	कुंभ	व	राहु	व	धनु	19:56:00	गुरु	02/04/2028
बुध	30/09/2027	27:37:57	सिंह	व	केतु	व	मिथु	19:56:00	शनि	15/03/2029
केतु	30/04/2028	06:44:32	धनु	व	हर्ष		धनु	16:19:29	बुध	20/01/2030
शुक्र	30/12/2029	16:13:39	धनु	व	नेप		धनु	20:19:07	केतु	27/05/2030
सूर्य	01/07/2030	17:09:11	तुला	व	प्लूटो		तुला	25:19:52	शुक्र	28/05/2031

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:41:42 चित्रपक्षीय अयनांश 23:44:48

लग्न-चलित

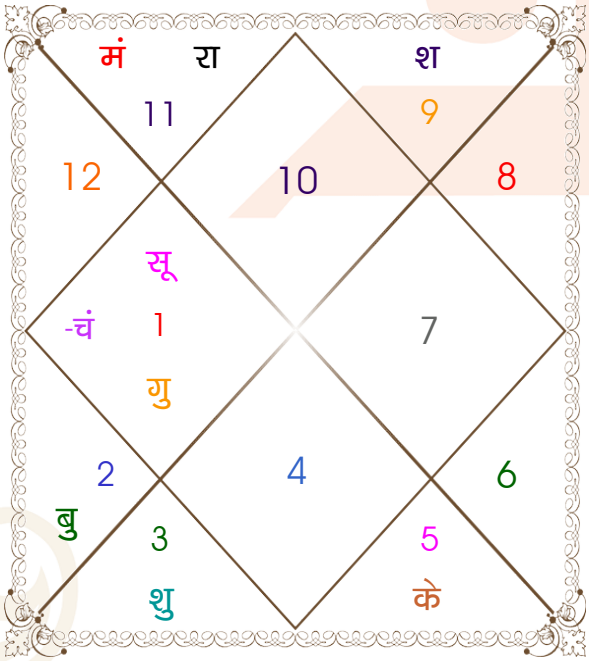

लग्न-चलित

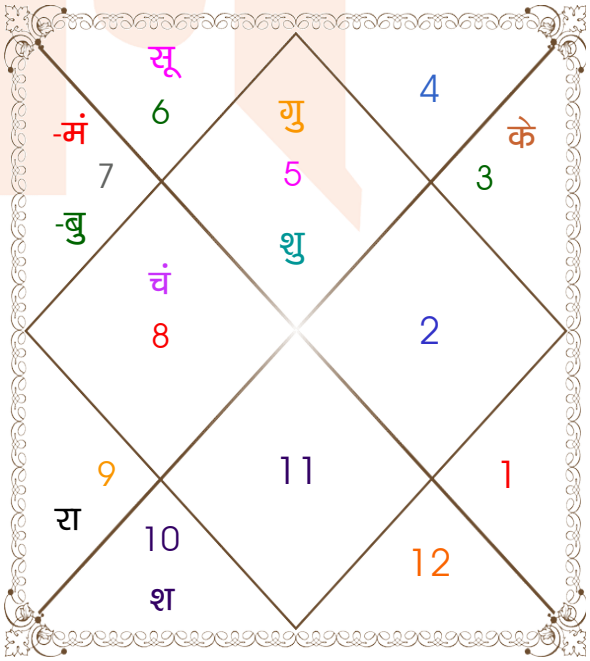

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

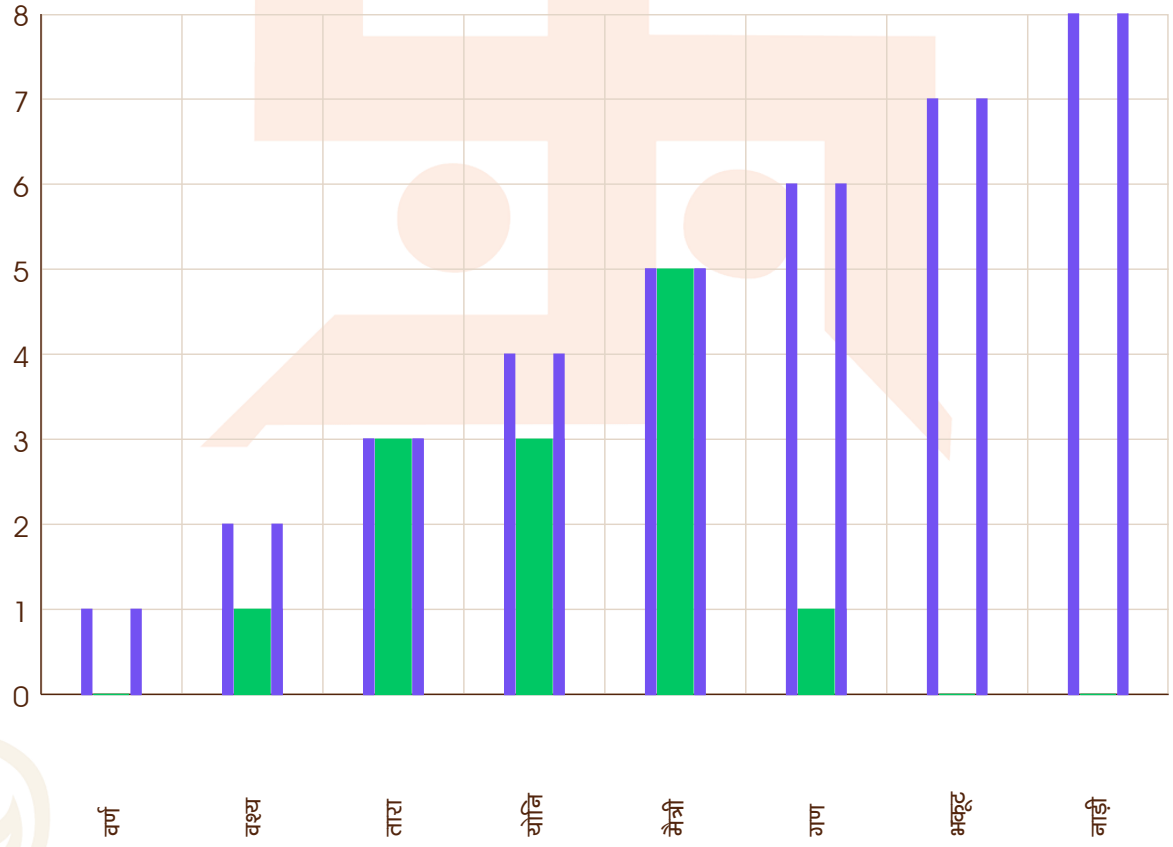

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

च्तपोीपज का वर्ग सिंह है तथा ।दनतंकीं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तपोीपज और ।दनतंकीं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तपोीपज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

।दनतंकीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

च्तपोीपज तथा ।दनतंकीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

च्तपोीपज का वर्ण क्षत्रिय तथा ।दनतंकीं का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही ।दनतंकीं हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना च्तपोीपज एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

च्तपोीपज का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं ।दनतंकीं का वश्य कीट है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। चतुष्पद एवं कीट दो अलग प्रकार के प्राणी होते हैं किंतु प्रकृति में इनका सह-अस्तित्व होता है। इस प्रकार दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद भिन्न हो सकते हैं फिर भी ये एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे। इसीलिए च्तपोीपज चतुष्पद एवं ।दनतंकीं कीट होने पर विवाह को स्वीकृति प्रदान की जाती है यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार, पसंद/नापसंद में अंतर रहेगा। फिर भी ये दोनों एक-दूसरे के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे तथा अपने-अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

च्तपोीपज की तारा सम्पत तथा ।दनतंकीं की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से च्तपोीपज एवं ।दनतंकीं दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। ।दनतंकीं एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

च्तपोीपज की योनि अश्व है तथा ।दनतंकीं की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना

रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में च्तपोीपज एवं ।दनतंकीं दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि च्तपोीपज एवं ।दनतंकीं दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

च्तपोीपज का गण देव तथा ।दनतंकीं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में ।दनतंकीं निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। ।दनतंकीं की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

च्तपोीपज से ।दनतंकीं की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा ।दनतंकीं से च्तपोीपज की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। च्तपोीपज एवं ।दनतंकीं दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। च्तपोीपज शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर ।दनतंकीं बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

च्तपोीपज की नाड़ी आद्य है तथा ।दनतंकीं की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। च्तपोीपज एवं ।दनतंकीं दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित

बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

च्तपोपज की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है तथा ।दनतंकीं की जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। इसके प्रभाव से आप दोनों के जीवन में विचार धाराओं में अंतर रहेगा। इन विभिन्नताओं के कारण आप वैचारिक रूप से एक दूसरे को समझने में असमर्थ रहेंगे अतः संबधं में गहनता की न्यूनता रहेगी। अतः आपसी सामंजस्य से ही मधुरता की संभावना बनेगी।

च्तपोपज और ।दनतंकीं दोनों की राशि का स्वामी मंगल है। अतः वैचारिक मतभेदों को छोड़कर इनमें परस्पर मित्रता स्नेह एवं सहानुभूति का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति ईमानदार तथा कर्तव्य परायण रहेंगे तथा सुख दुख में एक दूसरे की सेवा तथा सहायता करना अपना कर्तव्य समझेंगे। इस प्रकार एक दूसरे के प्रति आत्म समर्पण की भावना से आपका दाम्पत्य जीवन सुखी हो सकता है।

च्तपोपज की जन्म राशि ।दनतंकीं की राशि से षष्ठ तथा ।दनतंकीं की राशि च्तपोपज से अष्टम पड़ती है अतः यह षडाष्टक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से च्तपोपज अपने कार्य कलापों में ईमानदार तथा शीघ्रता दिखाने वाले होंगे। यद्यपि ।दनतंकीं में भी ईमानदारी का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु प्रतिरोध या बदले की भावना हो सकती है लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। तथापि अच्छे संबधों के लिए अनावश्यक वाद विवादों से दूर रहना चाहिए।

च्तपोपज का वश्य चतुष्पाद तथा ।दनतंकीं का वश्य कीट है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक रूप से एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में सक्षम रहेंगे। लेकिन काम सम्बंधो में च्तपोपज की व्यग्रता तथा ।दनतंकीं का स्वार्थी भाव यदा कदा समस्या उत्पन कर सकता है। अतः ऐसे भावों की उपेक्षा करनी चाहिए ।

च्तपोपज का वर्ण क्षत्रिय है। अतः वह साहसी परिश्रमी एवं शूरवीर के भाव से युक्त रहेंगे। ।दनतंकीं का ब्राहमण वर्ण होने के कारण धार्मिक एवं शैक्षणिक क्रियाकलपो में विशेष रूचि रहेगी तथा विचारों में भी सात्विकता का प्रभाव रहेगा।

धन

च्तपोपज की तारा सम्पत तथा ।दनतंकीं की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से च्तपोपज सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा ।दनतंकीं के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

च्तपोपज और ।दनतंकीं को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से ।दनतंकीं का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

च्तपोपज और ।दनतंकीं दोनों की आद्य नाड़ी है। इससे नाड़ी दोष का आभास होता है परन्तु दोनों की राशि का स्वामी एक ही ग्रह है तथा नक्षत्र भिन्न भिन्न हैं। अतः इससे उपरोक्त नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है। साथ ही मंगल का भी च्तपोपज और ।दनतंकीं दोनों में से किसी के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं है। अतः उत्तम स्वास्थ्य की दृष्टि से यह मिलान अच्छा रहेगा तथा इसके शुभ प्रभाव से वे उत्तम स्वास्थ्य से युक्त रहेंगे तथा परस्पर प्रभाव से सुख तथा प्रसन्नता पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से च्तपोपज और ।दनतंकीं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति ।दनतंकीं के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः ।दनतंकीं को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

च्तपोपज और ।दनतंकीं बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः च्तपोपज और ।दनतंकीं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

।दनतंकीं के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से ।दनतंकीं को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। ।दनतंकीं भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा

करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से ।दनतंकीं को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए ।दनतंकीं उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी ।दनतंकीं के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का ।दनतंकीं के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

च्तपोीपज की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर च्तपोीपज सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन च्तपोीपज ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का च्तपोीपज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।